विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

वर्ग अष्टम्। शिक्षिका सरिता कुमारी

विषय हिन्दी। दिनांक २४-०५-२०२०

कभी फूलों की तरह मत जीना

जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे,

जीना है तो पत्थर बन के जिओ

किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।

प्रिय बच्चों

सुप्रभात।

प्राणी वही प्राणी है कविता हम पढ़ रहे हैं। उम्मीद है पिछले अध्ययन सामग्री को पढ़कर अपने समझ लिया होगा।निर्देश के अनुसार उत्तर पुस्तिका में लिख भी लिया होगा।

आगे की पंक्ति भावार्थ के साथ-

लँगड़े को पाँव और
लूले को हाथ दे,
सत की संभार में

मरने तक साथ दे,
बोले तो हमेशा सच,
सच से हटे नहीं;
झूट के डराए से
हरगिज डरे नहीं|
सचमुच वही सच्चा है|

सच्चा व्यक्ति की पहचान कराते हुए कवि कहते हैं जो लंगड़े को पांव और लूले को हाथ दे, अर्थात् आवश्यकता के अनुसार हर किसी की सहायता करे।

सत्य को संभालने में मरने तक साथ दे, यानी सच्चाई पर डटा रहे। झूठ के डराने से कभी न डरें।ऐसा करने वाला सच्चा प्राणी है।

छात्र कार्य

दिए गए सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर पुस्तिका में लिखें।